मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान (नगरीय)

प्रथम चरण :–

राज्य में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के प्रथम चरण का सफल क्रियान्वयन पूर्ण हो चुका है। इसके अन्तर्गत राज्य के कुल 191 शहरों मे से 66 शहरों का चयन किया गया है अर्थात् प्रत्येक जिले से जिला मुख्यालय सहित 2 शहरों का चयन किया गया है। चुने गये 66 शहरों में अभियान 9 दिसम्बर 2016 को प्रारम्भ किया गया था। इस अभियान के अन्तर्गत चयनित 66 शहरों मे निम्न गतिविधियां शामिल की गई है :–

1. राजकीय भवनों (छत क्षेत्रफल 300 वर्गमीटर व अधिक) पर रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिग संरचनाओं का निर्माण कार्य।
2. प्राचीन बावड़ियों का जीर्णोद्वार/मरम्मत कार्य।
3. शहरी क्षेत्रों में सघन वृक्षारोपण/वनीकरण का कार्य।
4. आई.ई.सी. गतिविधियां संचालित कर निजी भवन मालिकों को रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के निर्माण व परकोलेशन पिट के निर्माण व परकोलेशन पिट के निर्माण हेतु प्रेरित करना।

इसके तहत कुल 1393 कार्य (स्वीकृत राशि रू. 91.17 करोड़) चिन्हित किये गये थे, जिनमें से रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओ के निर्माण से संबंधित 1100 कार्य, बावडी जीर्णोद्वार 224 कार्य और वनीकरण के 69 कार्य शामिल थे। अभियान की नवीनतम प्रगति निम्न प्रकार है:–

1. 1100 आरटीडब्ल्यूएचएस के विरूद्ध 1009 कार्य पूर्ण कर दिये गये हैं और शेष 1 कार्य फलौदी के राजस्व विभाग के भवन के प्रस्तावित ध्वस्तिकरण के कारण नहीं किया जा सका।
2. 224 बावडियों के विरूद्ध 222 कार्य पूर्ण कर दिये गये है तथा शेष 2 कार्य क्रमशः चित्तौड़गढ़ (सुराना गली बावड़ी) व जोधपुर (पड़जायत बावड़ी) के कार्य क्रमशः किसी

भी संवेदक के भाग न लेने व स्थानीय लोगो के विरोध के कारण नहीं किये जा सके।

3. शहरी वनीकरण के लिये 56 शहरो मे स्वीकृत 69 कार्यो के लिये वृक्षारोपण कार्य माह जुलाई (वर्षा के दौरान) वन विभाग द्वारा शुरू किया गया और 69 कार्यो को पूर्ण कर दिया गया है। इस प्रकार 1393 में से 1390 कार्य पूर्ण किये जा चुके है, जो कि लगभग शत–प्रतिशत उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान (नगरीय), प्रथम चरण का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है।

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान (नगरीय) द्वित्तीय चरण

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान (नगरीय)–द्वितीय चरण 20 जनवरी, 2018 से प्रारम्भ किया गया, जिसमें राज्य के समस्त 191 शहर शामिल किये गये हैं। इस अभियान के अन्तर्गत चयनित शहरों मे निम्न गतिविधियां शामिल की गई है:–

1. राजकीय भवनों (छत क्षेत्रफल 300 वर्गमीटर व अधिक) पर रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कार्य।
2. प्राचीन बावड़ियों का जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य।
3. शहरी क्षेत्रों में सघन वृक्षारोपण/वनीकरण का कार्य।
4. जल भराव वाले क्षेत्रों का चिन्हीकरण व कार्य योजना।
5. आई.ई.सी. गतिविधियां संचालित कर निजी भवन मालिकों को रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनों के निर्माण व परकोलेशन पिट के निमार्ण व परकोलेशन पिट के निर्माण हेतु प्रेरित करना।

इसके तहत रू. 114.16 करोड़ के कुल 1820 कार्य (1766+54 अतिरिक्त वनीकरण कार्य) चिन्हित किये गये थे, जिनमें से रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओ के निर्माण से संबंधित 1482 कार्य, बावड़ी जीर्णोद्धार 214 कार्य और वनीकरण के 124 कार्य शामिल है। इसके अतिरिक्त प्रथम चरण में वर्ष 2018–19 के लिए स्वीकृत 304 कार्य (275 आरटीडब्ल्यूएचएस व 29 बावड़ी) भी द्वितीय चरण के 1820 (1766+54) कार्यों के साथ अर्थात् कुल 2124 (1820+304) कार्य करवाये जाने लक्षित थे, जिसके विरूद्ध 2002 कार्य पूर्ण हो चुके है, 40 कार्य दिनांक 31.01.2019 तक पूर्ण किये जा सकेंगे, 52 कार्य निरस्त किये जा चुके है। 25 कार्यों के निरस्तीकरण हेतु संबंधित जिला कलक्टरों से अभिशंषा अपेक्षित है। शेष 5 कार्य प्रगतिरत है, जो आगामी वित्तीय वर्ष में पूर्ण किये जा सकेंगे।